मेरीडियन नर्सिंग एण्ड पैरामेडिकल कॉलेज

लेढूपुर, आशापुर, वाराणसी-221007

इण्डियन नर्सिंग काउन्सिल (नई दिल्ली), यू.पी. स्टेट मेडिकल फैकल्टी (लखनऊ)
सा विद्या या विमुक्तये अटल बिहारी वाजपेयी मेडिकल यूनिवर्सिटी (लखनऊ), एवं महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ विश्वविद्यालय, वाराणसी से सम्बद्ध

खुशहाली की गारंटी

आज भारत में नर्सिंग एवं पैरामेडिकल, रोजगार की दृष्टि से सफल कोर्सों में से एक है। इसका तत्काल स्वावलंबन का ग्लैमर युवाओं को तेजी से आकर्षित कर रहा है। यह एक स्वावलंबी, सम्मानजनक एवं उच्चस्तरीय जीवन शैली प्राप्त करने का सबसे आसान और सुरक्षित रास्ता बन चुका है। युवावस्था की शुरूआत में ही आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर होने कि अनुभूति अलग ही होती है। इसे वो युवा ही समझ सकता है जिसके हाथ में अपनी मेहनत से कमाया पैसा हो। आइये जानते हैं कि क्यों नर्सिंग एवं पैरामेडिकल का स्कोप इतना ज्यादा बढ़ चुका है। पर उसके पहले नर्सिंग एवं पैरामेडिकल का अंतर जान लिया जाय।

नर्स : नर्स से अभिप्राय उस डिग्रीधारी और प्रशिक्षित स्टाफ से है जो किसी चिकित्सक के सहायक के तौर पर मरीज की देखरेख करता है, उसे दवाये देता है और मरीज की स्थिति पर नजर रखता है। वर्तमान में इसके लिए जी.एन.एम., ए.एन.एम. अथवा बी.एस.सी. (नर्सिंग) की डिग्री होनी चाहिए। साथ में संबंधित प्रदेश की नर्सिंग काउन्सिल में रजिस्टर्ड होना अनिवार्य है।

पैरामेडिकल : अस्पताल की किसी शाखा विशेष में विशेषज्ञता प्राप्त स्टाफ को सामान्य तौर पर पैरामेडिकल स्टाफ

बोला जाता है। जैसे आपरेशन थियेटर के भीतर विभिन्न प्रकार के आपेरशन में सर्जन के सहायक को आपरेशन थियेटर टेक्नीशियन बोला जाता है। इसके लिए 'डिप्लोमा इन ओ.टी. टेक्नीशिन' का कोर्स पास करना होता है। (विस्तृत विवरण अगले पृष्ठ पर)

नर्सिंग/पैरामेडिकल का स्कोप इतना ज्यादा क्यों?

1. सरल प्रवेश प्रक्रिया : यह दुर्भाग्य ही है कि जहाँ प्रदेश में प्रति वर्ष लाखों बच्चे इण्टरमीडिएट परीक्षा पास करते हैं, वहीं इंजीनियरिंग/डाक्टरी में सीटें कुछ हजार ही है। परिणाम यह होता है कि लाखों योग्य बच्चे परीक्षाओं में असफल हो जाते है। वहीं बहुत से बच्चे विशेष कर लड़कियाँ आर्थिक मजबूरियों के चलते तैयारी ही नहीं कर पातीं। वहीं दूसरी तरफ नर्सिंग/पैरामेडिकल में प्रवेश प्रक्रिया अत्यंत सरल होती है।

एक नजर में

- अत्यन्त आकर्षक कैरियर बेहतर जीवन शैली।
- प्रवेश प्रक्रिया अत्यन्त सरल।
- नौकरी की भरमार।
- सरकारी नौकरी के दृष्टिकोण से प्रथम स्थान पर।
- विज्ञान के विद्यार्थियों के लिए सबसे अच्छा विकल्प है।
- बड़े शहरों की ओर नहीं भागना पड़ता।
- अन्तहीन स्कोप है।
- विदेशों में भारी माँग है।
- अत्यन्त पावन पेशा।

प्रवेश के लिए काल करें-
7705909071/9838501709

मेरीडियन नर्सिंग एण्ड पैरामेडिकल कॉलेज

सा विद्या या विमुक्तये

लेढ़ूपुर, आशापुर, वाराणसी-221007

इण्डियन नर्सिंग काउन्सिल (नई दिल्ली), यू.पी. स्टेट मेडिकल फैकल्टी (लखनऊ), अटल बिहारी वाजपेयी मेडिकल यूनिवर्सिटी (लखनऊ), एवं महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ विश्वविद्यालय, वाराणसी से सम्बद्ध

2. 100 प्रतिशत तत्काल नौकरी : नर्सिंग/पैरामेडिकल की सबसे बड़ी खूबी यह है कि इसमें डिग्री लेने के बाद बेरोजगार नहीं बैठना पड़ता। दर-दर की ठोकरे नहीं खानी पड़ती। अपितु आप खुद तय करते है कि कौन सा अस्पताल ज्वाइन करें। 100 विकल्प होते है आपके पास। पैरामेडिकल स्टाफ की तो भारी कमी है।

3. सरकारी नियुक्ति : वर्तमान में शिक्षा और स्वास्थ्य हर सरकार की प्राथमिकता है। नित नये चिकित्सालय खुल रहे है। वर्तमान अस्पतालों की दशा सुधारी जा रही है। जैसे चंदौली, आजमगढ़, जौनपुर, कुशीनगर में ही वर्तमान में नये मेडिकल कालेज निर्माणाधीन है। मेडिकल के ही प्रदेश में ही करीब 100000 पद रिक्त है। प्रत्येक वर्ष हजारों रिक्तियाँ भरी जा रही है। ऐसी दशा में स्वाभाविक तौर पर नर्सिंग/पैरामेडिकल कोर्स किये छात्र/छात्रा की सरकारी नियुक्ति की सम्भावना अन्य कोर्सो की तुलना में कई गुना बढ़ जाती है और यह हो भी रहा है। संविदा पर तो तत्काल नियुक्ति हो जा रही है।

4. आर्थिक स्वालम्बन : तत्काल नौकरी का अर्थ है पैसा और पैसे का अर्थ है आर्थिक स्वालम्बन। यहीं से जिन्दगी की दशा और दिशा दोनो बदल जाती है। अपने कमाये पैसे से जीवन जीने का एहसास अलग होता है। विशेष कर लड़कियों के लिए तो दहेज प्रथा जैसी सामाजिक दानव से लड़ने का एक जबर्दस्त हथियार है। आप युवावस्था में ही अपने और अपने परिवार का खर्च सम्भालने लगते है। जीवन की गुणवत्ता में उत्तरोत्तर सुधार होने लगता है। रोज मर्रा के छोटी-छोटी चीजों के लिए तरसना नहीं पड़ता है। परिवार के निर्णयों में आपकी भागीदारी होने लगती है।

5. पवित्र पेशा : यदि आत्मसंतुष्टि और परोपकार की दृष्टि से देखा जाय तो निर्विवाद रूप से नर्सिंग/पैरामेडिकल दुनिया का सबसे पवित्र और पावन पेशा है। पीड़ा से तड़प रहा मरीज जब आपके उपचार से आराम पाता है तो उसकी मुस्कुराहट जो आपको सुकून और संतुष्टि देती है वो पैसे से नहीं खरीदी जा सकती है। बहुत खुशनसीब है आप, जो आपको ईश्वर ने इस कार्य हेतु चुना है। जहाँ अन्य पेशों में तनाव मिलता है वहीं इसमें सुकून।

6. विकास की सम्भावना : यहाँ यह बताना समीचीन होगा कि सरकारी क्षेत्र में भी नर्सिंग अधीक्षक का पद गैजेटेड ऑफिसर के रैंक का होता है। भारत के साथ साथ विदेशों में भी भारतीय नर्सों की भारी मांग है। और वहाँ पर नर्स और चिकित्सक की तनख्वाह और सामाजिक सम्मान में अंतर नहीं होता। इसके अतिरिक्त, यदि आप अपने कैरियर को नई ऊँचाइयों तक ले जाना चाहते है आप अपनी रूचि के विशेषज्ञता वाले क्षेत्र में नर्स प्रैक्टिशनर का कोर्स कर सकते है। इसमें प्रवेश की आवश्यक योग्यता बीएससी (नर्सिंग) या पोस्ट-बेसिक बीएससी (यह जी.एन.एम. पश्चात् किया जाता है) है। इसलिए यदि आप लगनशील हैं तो इस पेशे में उत्तरोतर विकास की संभावना और बेहतर जाँब आफर की सम्भावना सदैव बनी रहती है।

नोट : ज्यादातर अस्पतालों में अभी भी डिग्रीधारक स्टाफ की कमी के चलते झोला छाप स्टाफ कार्य करता है। आप उनसे तुलना ना करे उनकी तनख्वाह कम होती है और जीवन स्तर भी बौना ही होता है।

प्रवेश के लिए काल करें-
7705909071/9838501709

मेरीडियन नर्सिंग एण्ड पैरामेडिकल कॉलेज

लेढूपुर, आशापुर, वाराणसी-221007

सा विद्या या विमुक्तये

इण्डियन नर्सिंग काउन्सिल (नई दिल्ली), यू.पी. स्टेट मेडिकल फैकल्टी (लखनऊ), अटल बिहारी वाजपेयी मेडिकल यूनिवर्सिटी (लखनऊ), एवं महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ विश्वविद्यालय, वाराणसी से सम्बद्ध

मेरीडियन ही क्यों?

आज मेरीडियन से प्रशिक्षण प्राप्त बच्चों की चिकित्सालयों में भारी माँग है आइये जाने क्यों?

1. सन् 2006 में स्थापित मेरीडियन नर्सिंग एण्ड पैरामेडिकल कालेज, लेढूपुर, आशापुर, वाराणसी नर्सिंग के क्षेत्र में पूर्वांचल का एक प्रतिष्ठित नाम बन चुका है। यह कालेज इंडियन नर्सिंग कौसिल, नई दिल्ली, यू.पी. स्टेट मेडिकल फैकल्टी, लखनऊ एवं महात्मा गाँधी काशी विद्यापीठ विश्वविद्यालय वाराणसी से सम्बद्ध है। अपने कड़े अनुशासन, सघन क्लिनिकल प्रशिक्षण एवं आत्याधुनिकतम तकनीक के शिक्षण में प्रयोग के चलते मेरीडियन वस्तुत: पूर्वांचल में नर्सिंग शिक्षा का पर्याय बन चुका है। सन् 2020 तक दस बैच पास आउट हो चुके हैं। और प्रदेश ही नहीं प्रदेश के बाहर भी सरकारी और गैर सरकारी चिकित्सालयों में कार्यरत है।

2. अत्यन्त अनुभवी शिक्षक टीम के दिशा निर्देश में नियमित कक्षायें : ज्यादातर शिक्षक प्रदेश के बाहर के है। इस बात पर विशेष ध्यान दिया जाता है कि हिन्दी भाषी बोर्ड से आये विद्यार्थियों को कोई समस्या न आने पायें। नियमित टेस्ट लिये जाते है। प्रत्येक प्रशिक्षु पर विशेष ध्यान दिया जाता है। किसी भी बच्चे की उपेक्षा नहीं होने पाती।

3. नर्सिंग/पैरामेडिकल : के प्रशिक्षण का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि किताबी ज्ञान के साथ व्यवहारिक प्रशिक्षण भी आवश्यक है। मेरीडियन में इस तथ्य पर विशेष ध्यान दिया जाता। अपने कोर्स के दौरान प्रशिक्षुओं को मेरीडियन अस्पताल, पं० दीनदीयाल अस्पताल एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र चिरईगाँव में कठोर व्यावहारिक प्रशिक्षण से गुजरना होता है। कोर्स की समाप्ति तक ये प्रशिक्षु अपने पेशे में दक्ष और निपुण हो चुके होते है।

4. अंग्रेजी भाषा और कम्प्यूटर

कक्षायें : इस कठिन प्रतियोगिता और टेक्नोलाजी के युग में यदि अंग्रेजी भाषा का बेसिक ज्ञान नहीं है तो वह निरक्षर ही माना जायेगा। यह कमी उनके कैरियर के विकास में मुख्य बाधा बन जाती है। इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कोर्स के प्रारम्भ में ही अंग्रेजी भाषा और कम्प्यूटर दोनो की पृथक से कक्षायें चलाई जाती है। यहीं कारण है मेरीडियन से पास विद्यार्थियों को भारत के किसी भी कोने और किसी भी स्तर के कार्य करने में कोई दिक्कत नहीं होती। अपितु सत्य तो यह है कि अंग्रेजी भाषी बोर्ड (यू.पी. बोर्ड/बिहार बोर्ड) के बच्चे कान्वेन्ट के बच्चों से कई गुना बेहतर साबित होते हैं।

5. स्मार्ट क्लासेज एवं वाई.फाई. कैम्पस : स्मार्ट क्लासेज शिक्षण की नवीनतम विद्या है। जिसमें विडियो क्लिप्स, सजीव प्रसारण के माध्यम से प्रशिक्षु नर्सों को उनके विषय का ज्ञान उपलब्ध कराया जाता है। मेरीडियन कालेज एवं अस्पताल पूरी तरह से वाई.फाई. से युक्त है। जिससे प्रशिक्षु नर्स 24 घण्टे इन्टरनेट की जानकारियों से युक्त रहते हैं।

6. प्लेसमेंट : यद्यपि देखा गया है कि ज्यादातर प्रशिक्षु अपना कोर्स समाप्त होने तक किसी न किसी चिकित्सालय से जुड़ चुके होते हैं। इसके बाद भी कोई विद्यार्थी चाहता है तो मेरीडियन प्रबन्ध उसके बेहतर प्लेसमेंट में सहायता करता है।

7. छात्रवृत्ति : वर्तमान में प्रदेश सरकार हर वर्ग के नर्सिंग/पैरामेडिकल के विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान कर रही है। छात्रवृत्ति का प्रारम्भ से ही लाभ लेने के लिए यह आवश्यक है कि विद्यार्थी समय से प्रवेश ले और आवश्यक दस्तावेज जैसे आय, जाति, निवास प्रमाण-पत्र आफिस में जमा करा दें।

8. नर्सिंग हास्टल- छात्राओं के लिए 150 सीटों का छात्रावास उपलब्ध है। अत्याधिक कम फीस है इसमें नाश्ता व दोनों वक्त का भोजन शामिल है। खाने का मेन्यू न्यूट्रिशियन द्वारा निर्धारित किया जाता है। इसमें संतुलित आहार के सिद्धान्त को अपनाया गया है ताकि युवा छात्राओं के शारीरिक एवं मानसिक विकास के लिए आवश्यक सभी तत्वों (कार्बोहाइड्रेड, फैट, विटामिन इत्यादि) का समावेश हो सके।

9. इन्श्योरेन्स-

मेरीडियन नर्सिंग एण्ड पैरामेडिकल कालेज' में प्रवेश लेने के साथ ही विद्यार्थी का स्वत: जीवन बीमा हो जाता है जोकि उसके विद्यालय से अंतिम रूप से पास आउट होने तक वैध रहता है। साथ ही उसके परिवार जनों (प्राथमिक रक्त सम्बन्धी) को भी मेरीडियन अस्पताल में असाधारण डिस्काउंट मिलता है।

प्रवेश के लिए काल करें-

7705909071/9838501709

उपलब्ध कोर्सों का संक्षेप में विवरण

1. पैरामेडिकल कोर्स :

i. डिप्लोमा इन लैब टेक्नीशियन : यह पैथोलॉजी टेक्नीशियन का कोर्स है। आज लोग स्वास्थ्य के प्रति जागरुक हुये हैं। कोई भी शारीरिक समस्या उत्पन्न होने पर तुरंत डॉक्टर के पास परामर्श के लिए जाते हैं। डॉक्टर मरीजों की विभिन्न तरीके की जॉच कराते हैं। ताकि बिमारी की स्थिति का पता चल सके। ऐसे में लैब टेक्नीशियम की भूमिका अहम हो जाती है। वर्तमान में यू.पी. स्टेट मेडिकल फैकल्टी से मान्यता प्राप्त , प्रशिक्षित लैब टेक्नीशियम की अत्यन्त कमी के कारण सरकारी नौकरी हेतु योग्य अभ्यर्थी उपलब्ध नहीं है। जिससे इस कोर्स की भारी मॉग है। अत: इस कोर्स से रोजगार के अवसर आसानी से सुलभ हो सकते हैं। इस कोर्स में प्रवेश के लिए न्यूनतम अहर्ता 12वीं विज्ञान एवं आयु 17 वर्ष है। कोर्स की अवधि 2 वर्ष है।

ii. डिप्लोमा इन फिजियोथेरेपी : यह अस्थि एवं पुनर्वास विभाग के अन्तर्गत आता है। सुविधा पूर्ण एवं विलासितापूर्ण जीवन शैली की वजह से इसके रोगियों की संख्या में भारी वृद्धि हुई है। शहरों में तो तकरीबन हर दूसरा व्यक्ति प्रौढ़ावस्था तक आते-आते किसी न किसी अस्थि सम्बन्धित रोग से पीड़ित हो चुका होता है। इस कोर्स का फायदा ये है कि आप स्वतंत्र रूप से क्लिनिक खोल करके भी इसकी प्रैक्टिस कर सकते हैं। इसकी अवधि 2 वर्ष है। न्यूनतम योग्यता इण्टरमीडिएट विज्ञान वर्ग है।

iii. डिप्लोमा इन आपरेशन थियेटर टेक्नीशियन : किसी भी अस्पताल का प्रमुख अंग उसका आपरेशन थियेटर होता है। उसकी देखरेख, आपरेशन के दौरान सर्जन के मुख्य सहायक के तौर पर कार्य करना, आत्याधुनिकतम उपकरणों का संचालन किसी भी ओ.टी. टेक्नीशियन का प्रमुख कार्य है। प्रशिक्षुओं को मेरीडियन अस्पताल की तीन आत्याधुनिकतम आपरेशन थियेटर में दो वर्ष तक सर्जरी की विभिन्न विधाओं यथा जनरल एवं लैप्रोस्कोपिक सर्जरी, गाइनी सर्जरी, अस्थि रोग सर्जरी, न्यूरो सर्जरी, प्लास्टिक सर्जरी इत्यादि में सघन प्रशिक्षण दिया जाता है। स्कोप बहुत ज्यादा है। इसकी अवधि 2 वर्ष है। न्यूनतम योग्यता इण्टरमीडिएट विज्ञान वर्ग है।

iv. डिप्लोमा इन डायलिसिस टेक्नीशियन : डायलिसिस मशीन एक तरह से कृत्रिम गुर्दे का कार्य करती है। उन सभी मरीजों में जिनका किसी वजह से गुर्दा कार्य ना कर रहा हो उन्हें डायलिसिस की जरुरत पड़ती है। और यह कार्य प्रशिक्षित डायलिसिस टेक्नीशियन ही कर सकता है। पर डिग्रीधारी डायलिसिस टेक्नीशियन अभी भी विशेषकर पूर्वी उ.प्र. में ना के बराबर है। परिणाम स्वरूप इनकी भारी माँग है और तनख्वाह बहुत ज्यादा है।

v. डिप्लोमा इन आप्टोमेट्री : इनका प्रमुख कार्य होता है नेत्र सर्जन के सहायक के तौर पर मरीजों के आँख की पावर, लेंस की जाँच, मशीनों की देखरेख और नेत्र सर्जन के सहायक के तौर पर नेत्र सर्जरी करना। माँग की तुलना में डिग्रीधारी आप्टोमेट्रिस्ट बहुत कम है और भारी माँग है और ये प्रत्येक वर्ष बढ़ती ही जा रही है।

vi. डिप्लोमा इन क्रिटिकल केयर एण्ड ट्रामा : जिन्हें जीवन में चैलेंज पसन्द है और जो भारी तनाव व दबाव में कार्य करना पसंद करते हैं उनके लिए यह आदर्श कोर्स है। कारण यह है कि इसमें गंभीर रोगियों (दुर्घटना में बुरी तरह घायल, हृदय घात, पक्षाघात, जीवन-मृत्यु से जूझ रहे मरीजों) के बीच कार्य करना होता है। अस्पताल के दो मुख्य विभाग (इमरजेंसी और आई.सी.यू.) इनके जिम्मे होते हैं। इस विधा में दक्ष स्टाफ की अनुपलब्धता के चलते उ.प्र. स्टेट मेडिकल फैकल्टी द्वारा हाल ही में यह कोर्स प्रारम्भ किया गया है। भविष्य और स्कोप से यह बहुत अच्छा है।

2. नर्सिंग कोर्स-

i. एम.एस.सी. (नर्सिंग) यह नर्सिंग में परास्नातक कोर्स है। इस कोर्स में प्रवेश हेतु नर्सिंग विषय में स्नातक के साथ एक वर्ष का कार्य अनुभव होना आवश्यक है। इस कोर्स की अवधि दो वर्ष है। इस कोर्स को करने के बाद शैक्षणिक स्थानों, हॉस्पिटल, रिसर्च, एन.जी.ओ. एवं देश विदेश में रोजगार के अनेको अवसर उपलब्ध होते हैं।

ii. बीएससी नर्सिंग (बैचलर ऑफ साइंस इन नर्सिंग) इस कोर्स की आयु सीमा 17 वर्ष से 30 वर्ष है न्यूनतम योग्यता इंटरमीडिएट (विज्ञान-पीसीबी) में 50% है।

यदि स्कोप की दृष्टि प्राप्त से देखा जाये ता बीएससी (नर्सिंग) का वर्तमान में सर्वाधिक मांग है। बीएससी (नर्सिंग) की डिग्री प्राप्त करने के पश्चात् आपके पास तीन विकल्प होते है आप भारत अथवा विदेशो में बतौर नर्स कार्य कर सकते हैं या नर्सिंग संस्थानों में बतौर शिक्षण कार्य कर सकते हैं या तो इसके पश्चात् आप विशेषज्ञता प्राप्त करने हेतु 'नर्स प्रैक्टिशनर' का कोर्स कर सकते है।

iii. जी.एन.एम.: (जनरल नर्सिंग एण्ड मिडवाइफरी) नर्स के लिए कानूनी तौर पर अनिवार्य एवं न्यूनतम अहर्ता उसका जी.एन.एम. पास होना होता है। वर्तमान समय का यह सबसे लोकप्रिय कोर्स है जिसका मुख्य कारण प्रतिवर्ष हजारों की संख्या में भरी जा रही सरकारी रिक्तियाँ हैं। इसकी अवधि 3 वर्ष है। प्रवेश के लिए न्यूनतम योग्यता इण्टरमीडिएट (45%) किसी भी वर्ग में है। साथ में इण्टर में अंग्रेजी विषय होना अनिवार्य है।

iv. ए.एन.एम.: (आक्सीलरी नर्सिंग एण्ड मिडवाइफरी): भारत में मातृ/शिशु मर्त्यता दर में कमी लाने में इनकी निर्णायक भूमिका रही है। इनकी नियुक्ति मुख्यतया ब्लाक के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर होती है। यह वर्तमान समय का सर्वाधिक लोकप्रिय कोर्स है। कारण तत्काल सरकारी नियुक्ति है। इसकी अवधि 2 वर्ष है। योग्यता इण्टरमीडिएट (45%) किसी भी वर्ग में है।

मेरीडियन नर्सिंग एण्ड पैरामेडिकल कॉलेज

लेढूपुर, आशापुर, वाराणसी-221007

फोनः 0542-2591602, 2591601, फैक्सः 0542-2591300, मो.: 9628888824, 9838501709

E-mail: meridian.nursing@gmail.com, Website: www.meridiannursing.com

Facebook : www.facebook.com/mnpmc

प्रवेश के लिए काल करें-

7705909071/9838501709